

नांदगांव टाइम्स

सोमवार, 19 अगस्त 2024, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 48, अंक 307, पृष्ठ 04, मूल्य 2 रुपये



॥ जय श्री जलाराम ॥
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, प्लॉट, ड्रिलवेल्स,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट
की खरीदी-विक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस: कान्हाई बरतल के बाजू में, रामदेव मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

शाह ने अहमदाबाद को दी 1003 करोड़ रु के विकास कार्यों की सौगात

गांधीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रक्षाबंधन के पानन पर्व से पूर्व रांचीवार की गुजरात के अहमदाबाद को अनुमानित 1003 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के अनुमानित 1003 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का कार्यक्रम में ई-लोकारण व शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री अरविंदराज पटेल, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा तथा अहमदाबाद की महापौर प्रतिभाबेन जैन भी उपस्थित रहे। श्री शाह ने श्री भूपेंद्र पटेल सहित उपस्थित प्रमुखों ने छोर छोर घेर कर कलेबान वैन को झंडी दिखा कर प्रशान्त कराया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी किया। श्री शाह ने गांधीनगर तथा अहमदाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुमानित 1003 करोड़ रुपये के विभिन्न बजट-मुहूर्ति विकास कार्यों के लोकार्पण तथा शिलान्यास के लिए गुजरात सरकार तथा अहमदाबाद मनपा (एएमसी) का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में 730 करोड़ रुपये की 21 परियोजनाओं का लोकार्पण और चार विकास कार्यों का शिलान्यास सहित अहमदाबाद पूर्व तथा अहमदाबाद पश्चिम संसदीय क्षेत्रों में 18



परियोजनाओं का लोकार्पण और विकास कार्यों का शिलान्यास आज संपन्न हुआ है। इनमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, खेल-कूद, पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों के अनेक विकास कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पाँच वर्ष में राज्य सरकार और एएमसी ने हर वर्ष गांधीनगर संसदीय क्षेत्र के नागरिकों को अनुमानित 5000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की पेंट दी है, जिसके परिणामस्वरूप अहमदाबाद शहर तथा गांधीनगर संसदीय क्षेत्र हर दिन विकास के नए आयाम पर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्याओं के समाधान के रूप में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने चूक पेड़ों में के नामजु अभियान प्रारंभ कराया है। मातृश्रम अदा करने के लिए, बुशारोपण से अच्छा कोई विकल्प या मार्ग नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि एएमसी ने मिशन लीन मिलियन ट्री अंतर्गत केवल 100 दिनों में 30 लाख पेड़-पौधे लगाने का अभियान कार्य शुरू किया है। इसी प्रकार देश के विभिन्न शहरों ने इस अभियान को यशस्वी के रूप में लेकर एक विशाल जन अभियान में परिवर्तित किया है। अहमदाबाद के लोगों से बुशारोपण में सक्रिय रूप से सहभागी होने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, चूंकि अहमदाबाद भूमिपूज्य कॉर्पोरेशन ने हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए 100 दिनों में 30 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। एएमसी ने शहर में जगह-जगह ऑक्सिजन पार्क बनाए हैं। इस अभियान में शहर के हर नागरिक को अपना सक्रिय योगदान देना चाहिए। श्री शाह ने कहा, चूंकि प्रत्येक व्यक्ति अपना नैतिक पैकट जैविक रूप से अपने सदन में लाए, अपने पेड़ भी लगाए, तो केवल दो ही वर्ष में शहर को हरियाली बनाया जा सकता है। हमारी सोसाइटी, परती भूमि, बच्चों के स्कूलों में अधिक से अधिक पेड़ लगा कर उनका अपने बच्चे की तरह पालन-पोषण करने का हम सभी आज दृढ़संकल्प करें। हमें रेतोबल लॉमिंग की गंभीर समस्याओं के विरुद्ध समय रहते जागना होगा।

कोलकाता में डॉक्टर 'दुष्कर्म-हत्या' मामले में शीर्ष न्यायालय कल करेगा 'स्वतः संज्ञान' सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की छात्राकोर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या मामले का 'स्वतः संज्ञान' लिया और 20 अगस्त को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश दी याद चंदचुड़, न्यायमूर्ति जे पी पाटील, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 20 अगस्त 2024 को 'स्वतः संज्ञान' मामले की सुनवाई करेगी। न्याय 2024 को अस्पताल की दूधरी के दौरान महिला डॉक्टर के साथ कथित तौर पर शर्मशार करने वाली घटना हुई थी। इस मामले को लेकर चल रहे देखभाली डॉक्टरों के ऑडिशन के दौरान 14 अगस्त को उस अस्पताल पर अज्ञात लोगों की भीड़ ने हमला किया, जिसमें अस्पताल के इमारतों की बाड़ों को काफी नुकसान पहुंचाया गया। डॉक्टर दुष्कर्म एवं हत्याकांड के विरोध में देशभर के डॉक्टर सलाहता जगह-जगह धरना- प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को डॉक्टर की कथित हत्या के मामले की जांच करने का निर्देश दिया था। पीठिया डॉक्टर के माता-पिता समेत कुछ अन्य लोगों की जांचकाओ पर सुनवाई के बाद कार्यवाई करते हुए अदालत ने यह आदेश पारित किया था।

अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव..



रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। लखराम/ माँ कामाख्या धर्मोदा ट्रस्ट के तत्वाधान में मातृशक्तिध्वं द्वारा सावन उत्सव का कार्यक्रम किया, जिसमें काफ़ी संख्या में बहों के लोगों ने

उपहार वितरण किया गया इस तरह छत्तीसगढ़ के परिधान में उपस्थित होकर इसे कार्यक्रम के माध्यम से सबने एकता का परिचय दिया, रेखा यादव बनी मिस सावन सुंदरी.. सभी मातृ शक्तिध्वं हरा परिधान में थे साथ में फूलों की आभूषण पहन कर सब धज कर उपस्थित रहे, जिसमें 50 महिलाओं ने भाग लिया, मातृशक्ति प्रभाती श्रीमति शशि गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ, रेखा यादव को भी सावन सुंदरी का ताज दिया गया, ट्रस्ट के पदाधिकारी राधा रॉय, उमा यादव, रश्मिता निर्मलकर, आरती केकर, संतोषी केकर, लता देवान, चंचा साहू, सहित समस्त पदाधिकारी पर उपस्थित रहे। ट्रस्टी अध्यक्ष परम पुंन्य गुरुदेव श्री संकांज शरण जी (गुरुजी) ने इस कार्य के लिए सभी को साधुवाद दिए।



छात्रा कुमारी नोमिता पटले सैनिक स्कूल एससी केटेगरी में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। नगर की छात्रा कुमारी नोमिता पटले का चयन ईडिआ सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं के लिए हुआ है। बचपन से ही मेधावी नोमिता ने सैनिक स्कूल अंबिकापुर छत्तीसगढ़ एससी केटेगरी में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। नोमिता अपने सफलता का श्रेय अपने पिता श्री खेमनंद पटले, माता श्रीमती पुजा पटले एवं अपने गुरुजनों को देती है।

॥ जीवत शरदः शतम् ॥



मा. खुबचंद जी पारख

पूर्व उपाध्यक्ष - 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति, छत्तीसगढ़

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...



एक शुभचिंतक

अवका

विप्र के नव नियुक्त अध्यक्ष अशोक जोशी सहित पूरी टीम ने ली शपथ

प्रदेशाध्यक्ष कचरुप्रसाद शर्मा ने दिलाई शपथ, प्रदेश अध्यक्ष कचरुप्रसाद शर्मा के साथ पुरुषोत्तम तिवारी व हेमंत तिवारी मार्गदर्शक मंडल में

(उत्तम पाण्डे)

राजनांदगांव । अधिभाजित राजनांदगांव जिला विप्रा फाउंडेशन इकाई के नव नियुक्त अध्यक्ष अशोक जोशी एवं उनकी पूरी टीम ने विप्रा रविवार को भरकपारा स्थित मोतीनाथ मंदिर कैम्पस स्थित एलीजेट कोठी में एक सप्ताह के उद्देश्यों एवं कार्यों पर एवं पर विप्रा के दिशा निर्देश पर एवं प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय संगठन के दिशा निर्देश पर अपनी पूरी श्रमता के साथ कार्य करने की शपथ ली। अध्यक्ष अशोक जोशी, उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, सचिव जितेंद्र शर्मा, सह सचिव रामनारायण जोशी, सहायक सचिव अशोक जोशी, श्री बंटी प्रसाद, सुभाष शर्मा, आनंद जोशी, गोविंद जोशी, राहुल शर्मा, चंकिट शर्मा, मंगल शर्मा, संतोष पुरोहित, संतोष चोटीया को प्रदेश अध्यक्ष श्री कचरुप्रसाद शर्मा ने शपथ दिलाई।

मार्गदर्शक मंडल में कचरुप्रसाद शर्मा, पुरुषोत्तम तिवारी व हेमंत तिवारी को लिया गया है वहीं संरक्षक मंडल में क्रमशः नयूनाल जो शर्मा एवं हनुमान प्रसाद जो शर्मा, महेश शर्मा, सुरेश पटेल एवं शिवशंकर जोशी को शामिल किया गया है। इस अवसर पर कचरुप्रसाद प्रसाद शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विप्रा फाउंडेशन सर्वे भवतु सुखनः सर्वे सुखे निरामया की भावना के साथ अग्रसर है लेकिन इसकी शुरुआत पर से होती है और इसी के अंतर्गत समाज ने विप्रा समाज के उन्मुख के लिए एवं समाज के लोगों को ऊपर उठने के लिए विभिन्न प्रकार की उनकी समस्याओं के निराकरण का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि विप्रा फाउंडेशन अपने राहश्वर शर्मा, चंकिट शर्मा, मंगल शर्मा, संतोष पुरोहित, संतोष चोटीया को प्रदेश अध्यक्ष श्री कचरुप्रसाद शर्मा ने शपथ दिलाई।



कहा कि सरकार विभिन्न पिछड़े दलित वर्गों को आरक्षण को सुविधा के साथ-साथ अनेक क्षेत्रों में आर्थिक मदद करती है लेकिन हमारे समाज के अनेक गरीब लोग इससे वंचित रह जाते हैं और कामी कठिनाईयों से जूझते हैं इसलिए समाज अपने से व्यवस्था बनाकर जरूरतमंद समाजिक लोगों को मदद करने के लिए पहल कर रहा है और इस दिशा में अनुकरणीय कार्य भी हुए हैं। उन्होंने रामपुर के सन एण्ड सन एवं नागपुर के वैदनाथ कंपनी के पांडा शास्त्री परिवार के सहयोग का भी उल्लेख करते हुए इसे एक उदाहरण के तौर पर बताया। कामी लंबे अच्छे से विप्रा फाउंडेशन एवं गौड शास्त्री समाज से जुड़े एवं अपनी सक्रियता से समाज के समाज विकास में अग्रणी भूमिका निभाने वाले नागपुरवासी शर्मा ने कहा कि उनके अनुभव का पूरा लाभ नए अध्यक्ष प्रभाव अशोक जोशी को और उनकी टीम को मिलेगा और वे हमेशा विला संगठन के साथ खड़े रहेंगे। सेवानिवृत्त पुंडा अफिर

हनुमान प्रसाद शर्मा ने भी अनेक अच्छे सुझाव दिए और आशा व्यक्त करते हुए अशोक जोशी, चंद्रशेखर शर्मा, जितेंद्र शर्मा एवं उनकी युवा टीम को शुभकामनाएं दीं। पुरुषोत्तम तिवारी ने कहा कि नई टीम में एक अलग ऊर्जा है जोश है और कुछ करने की तीव्र लगन है जोशलकिद है एवं उनके साथ में वयाध्यक्ष के रूप में चंद्रशेखर शर्मा भी एक शिक्षाविद है वहीं दूसरी ओर जितेंद्र शर्मा को नगर निगम में मिक चैयरमैन जैसे उत्तरदायित्व का अनुभव है। ऐसे में नरिन्द्रका का हाथ रखने मात्र से ही इनकी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। पुरुषोत्तम तिवारी ने कहा कि जो काम वे टीम के बनेगी उसे पूरा करेगा का सहयोग रहेगा और निश्चित ही पूरा करवाएंगे की राहदर्शकता ईकाई ऐसा कुछ करने की राष्ट्रपति पद पर उठने का इच्छा है दिवंगे और हमारे कार्य को उद्धारण के रूप में आगे बढ़ाएंगे और वे हमेशा विला संगठन के साथ खड़े रहेंगे। सेवानिवृत्त पुंडा अफिर

गौ सत्याग्रह के लिए कांग्रेसियों को खोजना पड़ा गौ

दो ब्लाक अध्यक्ष होने के बावजूद जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों के लिए भीड़ जुटाने में असक्षम

धरना प्रदर्शन हो या अन्य कार्यक्रम होने गुने नेता व कार्यकर्ता करते हैं संपन्न

छुरिया (नांदगांव टाइम्स) । जिला राजनांदगांव मुख्यालय अंतर्गत आने वाले छुरिया विधानसभा का नगर पंचायत छुरिया राजनांदगांव को लेकर स्पेशल बसगाड़ी में लगा है। खासकर तब जब चुनाव का माहौल हो या प्रदेश स्तर पर किसी कार्यक्रम को लेकर मिले दिशा निर्देश पर। जिस कि 13 अगस्त को नागपुराओं में मोटरसाइकिल रैली के रूप में बड़-बड़कर डेजे पर देश भक्ति गीतों से शुभाभास से विरंगा यात्रा निकाला तो वहीं कांग्रेसियों ने 14 अगस्त को गौने जुते कुछ नेता कार्यकर्ता शामिल होकर सविनय का स्वागत व विरंगा यात्रा में एक ई किस्म में छोटे छोटे पोंगे पर पुरुषित गाय राजा राम जैसे भजन गाते नगर आए व लोगों को सविनय सवारी जाकरगी देते हुए विरंगा यात्रा को लेकर ध्यापन देते नगर आए लेकिन वहीं किसानों ने भाषण को आवाज सुनी यह कह पाता मुश्किल है क्योंकि जो पोंगे लगे थे उनकी आवाज शायद 100



मिटर के आगे तक पहुंच सके ऐसा नहीं लगा। जिसके चलते नगर के चौकीदारों पर लोगों का अलग-अलग चर्क बिगड़ चुका को मिला जहाँ कांग्रेस नेताओं व ब्लाक अध्यक्षों की कार्यकारिणी पर स्वागतिया निगारा लगा दिया। वहीं छातीसपुत्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेशानुसार जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष भागवत साहू के तत्वावधान में नगर पंचायत छुरिया में आज दिन शुक्रवार को तहसील भवन के सामने गौ सत्याग्रह का आयोजन किया गया।

लेकिन मानों सुबह-शाम रोजाना दिखाई देने वाले गौ माता आज बस स्टैंड पर गायन नजर आए। जिसके लिए कांग्रेसियों ने गौ सत्याग्रह को लेकर खोज बोन कि जिसके बाद भी बूढ़ सत्याग्रह में पुर्व विधायक व ब्लाक अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता गायों ने छुरिया छिगों के आगे से गायों को खदेड़कर बड़ी मुश्किल से खदेड़ते हुए तहसील कार्यालय तक पहुंचे। जहाँ छुरिया पुलिस अपने डल-बल के साथ कांग्रेसियों को तहसील परिसर में गौ माता को प्रवेश कर प्रदर्शन न करने

बहुत कोशिश की गई जहां पुलिस और कांग्रेसियों के बीच घुम इटकी देखी गई। अंततः कांग्रेसियों ने पशुओं को तहसील परिसर में घुसा कर राज्य के मुख्यमंत्री हनुम हनुम के नौबानी लगाने नगर आए जिसके बाद कांग्रेसियों ने नवय तहसीलपर को ज्ञापन दिया। इस आयोजन कार्यक्रम में मुख्यप्रथम पुर्व विधायक छुगि साहू, प्रभाती महेंद्र यादव, जिला महामंत्री चमन साहू, एवं कांति भंडारी, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष राधाश्री चन्द्रशेखरी ब्लाक अध्यक्ष अशोक राजकमार सिन्हा, कांग्रेस नेता एकनम सिन्हा, पुष्पा सिन्हा महामंत्री, कांग्रेस नेता, विपिन यादव, पुर्व नगर अध्यक्ष सुनील सारोकर, मनो ज्ञान, अमित अग्रवाल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विनोद मंडलौरी, डिप्टी महासचिव ने आज तहसील कार्यालय में आगवा पूरा सफात प्रवेश किया इस मौके पर छुरिया थाना प्रभारी अविनाश श्रीवास दलबल सहित मौके पर कार्यकर्ता मजबूत कर कांग्रेसियों को तहसील कार्यालय में प्रवेश को रोकने का प्रयास किया मात्र भाग्य मुन्गी के बाद आतः कांग्रेसी तहसील कार्यालय में पशुओं के साथ प्रवेश कर कार्यक्रम को सफल बनाने में कामयाब हो गए।

21 अगस्त को अजा, अजजा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के द्वारा डोंगरगढ़ बंद का आह्वान

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स) । अनुसूचित जाति जनजाति

ज्ञान मंथन

- 1) दारोमिल हवाई अड्डा कहाँ स्थित है?
- 2) मौर्य काल में सिक्कों को क्या कहते हैं?
- 3) मीठे पानी का झील नब्की झील कहाँ स्थित है?
- 4) हाल ही में किस राज्य में 13 अगस्त को देशभक्ति दिवस मनाया गया?
- 5) पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक किसने जीता?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

(1) गोवा (2) पण (3) राजस्थान (4) मणिपर (5) मसाई रसेल

महाकाल त्रिशुल का आज महाकाल भक्तों की उपस्थिति में अनावरण

अनुप्रास (पंजाबी) महाकाव्य ११३। महाकाव्य को भी भाषा के अनुप्रास का निम्न दोषा शोभा मिलती है तथा महाकाव्य लिखता लयाय गी है। जिसका एक १९ अक्षर दिव सोमरात को दोषार्थ ३३ मही महाकाव्य को बीच महाकाव्य भक्त की पवन दावा ३३ मही महाकाव्य शीले सुखे दुखदुख, निम्न अनुप्रास की स्तिरानुप्रास पण्डित, शीले प्रीतिप्रास की किन्तु दुख दुख लोककाव्य विभाषा के प्रमत्ती स्तिरानुप्रास भी अनुप्रास के पण्डित गीता महाकाव्य लिखित अनुप्रास के संघर्ष में महाकाव्य शीले सुखे दुखदुख २ ब्याया कि महाकाव्य के महाकाव्य शीले (पुर्व मानस मीले चौक) में संकावता का पण्य विखुल लाने निम्न दावा ३३ दावा मों को गनी थी, पण्य अनुप्रास लिखित लाने गीता पण्य प्रीतिप्रास की गीती, किन्तु अनुप्रास चौक पुर्व मानस मीले चौक को बात असेर ३३ दुख दुख शीले को सोरा पारा शीले दिवदुख शीलेला माना मीरि में पण्यति पण्य गीता, जिसका एक सामन साम ऑरिप दिव सामन सोमरात के पवन असेर १९ अक्षर को महाकाव्य भक्त को उपनिषत् में महाकाव्य के पवन भक्त की पवन दावा ३३ मही अनुप्रास लिखित ३३ मही शीले मीरि दोषदुख २ इद पण्य असेर का कण दोषार्थ ३३ बजे शीलेला मीरि में पण्यो, दिव प्रीतिप्रास की, गणपति नागिकों, पककर बंधुओं व महाकाव्य भक्त से उपनिषत् की उपनिषत् की

पंचू राम साहू का मलेशिया एवम मालदीव में सम्मान
डोंगरगांव (नांदगांव टाइटम्स)। एस बी आई लार्डफर्डयोरेंस के बीमा मलाहकार पंचू राम साहू को जेओटीसी अवार्ड से सम्मानित किया गया

[illegible]

नांदगांव टाइम्स

आस्था और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन आज

[illegible]

तो भी मुझे सच मानना संतुष्टि मात्र का विषय है।
 का संकल्प करने और पंराग को आगे बढ़ाने।
 शास्त्रों में बताने के विषय निर्वाह का लोहार है।
 को आदा और समानता है। आने के लिए मैंने
 बताने में सुख-दुःख में समान साथ रहने का विधान
 दित्त है। साथ ही मैंने अपने बताने को सच मानने
 का वाक्य बन देते हैं। राखी कनक सुतु
 सती सुख से लेकर गीतों का, रमणी भाग, आ
 सोने या लाली मेंही नहीतु बल को हो सकती
 है। राखी का मतलब सुख और बचन का समान
 है। शास्त्रों में बताने के लिए भावना है अपने
 भाषणों की तरकी के लिए भावना से प्रगति करती
 है। राखी समानता, बताने को हो सकती है।
 ब्राह्मणों, ब्राह्मणों और पश्चिम में लौकिकों में
 समानता समर्थनों (जो पुरी जगत् पिता को) भी
 समानता है। कभी-कभी सांस्कृतिक रूप से किसी
 या प्रकृति स्थिति को भी राखी बताने में
 आज के प्रतिष्ठित अपने भाषों की दृष्टि हाथ पर राखी
 बौद्धिक चतुर्ता को भी स्थिति करने हैं और उसकी
 दित्त आयु को मानना करती हैं। बताने में मैंने
 राखी का वचन देते हैं। ऐसा मानना है कि राखी
 के संस्कारों को भी आदर के पार के बचन में

मित्रता करते हैं। भाई जान एक सूखी को चिपटा करता है और दूसरा-दूसरे को विश्वास दिलाता है। यह एक ऐसा घटन है जो भाई-जान के परिवार रिश्ते को गुरु और समान बनाता है। भाई, जात और रीति के सीमाओं से परे राखता है। भाई, भात और घरेलू प्रवृत्तियों के नियमों पर भी मीमाणा जाता है। भाई छोटे छोटे बड़े जाकर उन्हें 'भाई' बोलते हैं। राखीवन पर सामाजिक और सांस्कृतिक एकदमता को एकदमता को भी परित्यजित उपयोग है। भातों को अपने भाई को कक्षाएं पर काले रंग की राखी कानों में लगाया जा सकता है। राखी कानों को काले रंग की राखी बोलते हैं अथवा यह मीमाणा शुरू हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार काले रंग की राखी संश्लेष गति देती है। शक्ति शिव को कानों में बिल्वल करने वाला दश माना जाता है। राखीवन पर राखीवन को रंग की राखी मुक्कुर भी है। ऐसे में राखीवन पर बालों को भाई की कक्षाएं पर टूटी या खंडित राखी नहीं लगाया जाता। माना जाता है कि ऐसी राखी बालों से अथवा घरेलू घटित है। भाई की कक्षाएं पर लालटिक की रंग रंगिता को भी नहीं बालों लगाया जाता। माना जाता है कि लालटिक अशुभ होती है। राखीवन पर लालटिक को राखी बोलते हैं जो जीवन

साहित्य विधा समूह के स्थापना दिवस के अवसर पर विमला माहेश्वरी 'विमल' हुई सम्मानित

डोंगरगांव (नांदगांव टाडम्स) ।
साहित्य विधा समूह के स्थापना दिवस
के अवसर पर रविवार को वृंदावन
हॉल रायपुर में साझा संस्मरण संग्रह
सुधियों की दस्तक का विमोचन
कार्यक्रम आयोजित किया गया । मुख्य
अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के
सचिव डॉ. अभिलाषा बेहरा, विशिष्ट
अतिथि व्यंग्य यात्रा प्रवक्ता के संपादक
प्रेम जनमेजय, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु
छत्तीसगढ़ प्रदेश वृत्त, अध्यक्ष गिरीश
चंकरा, मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर
शर्मा, शिव ग्वालानी, तथा रामेश्वर शर्मा



साहित्य समाज का दर्पण होता है, और साहित्य संस्कृति को प्रसारित करने के लिए विचारों की अभिव्यक्ति को व्यवस्थित करने, चित्रित, प्रेरित और बोध की ओर आकर्षण देने को लेकर साहित्य विधा समूह में साक्षात् साक्षर संग्रह का विमोचन हुआ है। भागलपुर हुता विमला माहेश्वरी 'विमल साक्षर संग्रह' साहित्य की कविता 'इस संसार' में 60 से अधिक रचनाकारों की, मुख्यतः की संपादित विधा उत्कृष्ट, सहज और प्रभावी है। अर्थव्यवस्था द्वारा दी प्रज्वलित सार्वजनिक बना दिया गया। साथ ही साहित्य की साक्षात् की। स्वागत उद्योग की दलक साक्षात् संस्मरण संकलन की कविता साक्षात् कारी दी। चर्चा संचालन की विस्तृत मेधा ने किया। चर्चा साहित्य विधा

[illegible]

बालिक एक संस्मरण में पूरे परि-
त्रिगेडियर प्रदीप यदु ने कहा
पुस्तक देशभक्ति पर आधारित
ने अपने संक्षिप्त उद्धोषण में सा-
ने के लिए बांधें देते हुए कहा कि
बढ़ रही हैं वह साहित्यिक कार्य
को मंच प्रदान करने का उद्देश्य
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीक-
र बताया कि किस तरह वे संघर्ष
करते हुए मेदांता हास्पिटल में
मंच से बेहतर रचना पाठ कि-
एवं अतिथि धन जिनमें प्रमुख
ललितिका भाव, मंजु यदु, के. पी-
तराय, डॉ. महेंद्र ठाकुर, सक्सेना
कुमार जगजलवी विशेष रूप से

शान-ओ-शौकत से मुस्लिम समाज ने शहर में निकाली विशाल तिरंगा यात्रा



स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा जामा मस्जिद से हर साल की तरह इस साल भी शहर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई, जो कि शहर का भ्रमण करते हुए जामा मस्जिद चौक पर रैली का समापन किया गया, जिसमें समाज के सभी

राजनादगांव (नादगांव टाइम्स)। आजादी के 78वें वर्षगांठ पर कौमी एकता का परिचय देते हुए देशभक्ति गीतों के साथ शान-ओ-शौकत से मुस्लिम समाज ने विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। उक्त जानकारी देते हुए समाज के आप्ताब अहमद ने बताया कि 15 अगस्त को

उपस्थित रही। रैली का विभिन्न समाज के लोग शामिल हुए। महाकाल यात्रा के मुख्य पवन डागा, रूपेश दुबे, भावेश अग्रवाल, राकेश जोशी, मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हाजी रईस अहमद शकील साहब, शाहिद यासीनी, हाजी अतहर साहब व अन्य समाज के वरिष्ठगण शामिल रहे।

धर्म समाचार....



हर साल सावन माह को पूर्णिमा पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। ऐसे में इस साल रक्षाबंधन सोमवार 19 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम को दर्शाने वाले इस त्योहार में के दिन आप कुछ विशेष कार्य का समर्थन हैं जिससे आपको जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नीचे

जानते हैं रक्षाबंधन के दिन आपको किन कार्यों से लाभ मिल सकता है। रक्षाबंधन का पर्व हिंदू धर्म में एक मुख्य स्थान रखता है। इस दिन बहनें अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देते हैं। इस बार का रक्षाबंधन खास है, क्योंकि सावन पूर्णिमा होने के साथ-साथ इस दिन

रक्षाबंधन के दिन करना न भूलें ये काम, धन-धान्य में नहीं होगी कमी

माना कि आर्यसो मान्य होना पड़ा कि क्या आपका। ऐसे में साहस ही सही पर विवेक तथा प्रज्ञा के लिए कुछ ठोस कार्य कर सकते हैं। इस विषय में आपका बहुत अच्छा उत्तरक स्तान अर्थात् निम्न हो जाऊ। इसके साथ मूर्खद्वेष को अर्थ्य कर दें। इसके लिए आप निम्न बातें जरूर लें जिनसे लोग उसी और सलाह रंग के पकूँ जायें। अर्थ मूर्ख दोष को अर्थ्य दें। उसके अर्थों से व्यक्ति का भाव्य नजरुत हो जाय। ऐसे उदाहरण अनेकों में आर्य संस्कृत दोषों हैं। साहो हो आप मुझ सत्ते की प्राप्ति के लिए अद्विष्ट होना सोचो का पाप भी मुझ सत्ते हैं। हिंदू धर्म में माना जाता है कि शास के समथ पत्र होने देनी वानी सोलस का आमरण होना है। ऐसे में आर्य रक्षायंत्र को शरीर का मोला मस्तकी को बुद्धा प्राप्ति के लिए ये पानी कर सकते हैं। इसके लिए रक्षायंत्र को शास को सेर से मुछल दूर पर लखी जो से सास को ठास ठास कर जनावा। ऐसा करके से मानस को मल लखी जो बुद्धा से पदम पावने को कोई भी काम नही करे। इस का सब सुविधन के लिए आप जाना लें जो भावार्थ विमल और माला लखी को आपराध के लिए एक एक विधि मानि नही दें। ऐसे में आप आर्यसंस्कृत से मुक्ति के लिए रक्षायंत्र के दिवा देनी सोलस और विमल जो को पूजा कर सकावा। इसी द्वायें उपाय को आप भी पावें। हमारे साहस को अपने आर्यसंस्कृत विधायी में लावा देवते को इमेस सफाक हो।

भगवान आत्मा को शांति प्रदान करेंज् कहने से क्या सच में मिलती है मुक्ति, सनिए प्रेमानंद महाराज का जवाब



प्रधानमंत्री महाराज ने अपने प्रवक्तृओं के समालोक के जवाब में उन्होंने बताया है कि किसी को मृत्यु के बाद आत्मा की शांति की प्राप्ति करने के लिए कहे गए उसका क्या प्रभाव होता है। हिंदू धर्म में मानता है कि किसी मृत्यु होने के बाद व्यक्ति को उसके कर्म के अनुसार फल प्राप्त होता है और उसे स्वर्ग अथवा नरक में स्थान मिलता है। यथार्थता में याना जाता है कि मृत्यु के बाद मोक्ष प्राप्त होने से व्यक्ति जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। हिंदू धर्म में किसी के निधन के बाद उसकी आत्मा को शांति के साथ ही शरीर भी कहा जाता है कि को आत्मा को सज्ज में शांति मिलता है। प्रधानमंत्री महाराज का कहना है कि... लेकिन बहुत कठिन मात्र से न संभवता प्रदत्त करते हैं।

ये हिंदू धर्म से जुड़ी मायताओं को लेकर कई बातें बताते हैं। एक भक्त



ये प्रार्थना की जाती है और इसके लिए धार्मिक अनुष्ठान भी किए जाते हैं। भक्तभाव माया को शांति प्रदान करता। लेकिन यह करने से क्या व्यक्ति है, इसका वृत्तमान के प्रसिद्ध कथाकारक प्रेमचंद मारवाड़ ने जबरन दिया के भावना आत्मा को शांति दे करकर हम सिर्फ भावना से प्रार्थना करते नहीं होगा। उसके लिए भावना से साधन बताया है। ये कहकर तो हम सिर्फ

